

असाधाररण EXTRAORDINARY

माग II--- खण्ड 4

PART II—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित

# PUBLISHED BY AUTHORITY

सं 6] नई विल्ली, बृहस्पतिबार, घगस्त 16, 1979/आवण 16, 1901 No. 6] NEW DELHI, THURSDAY, AUGUST 16, 1979/SRAVANA 16, 1901

इस भाग में भिन्न पष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

## रक्षा मंत्रालय

#### अधिसचना

नई दिल्ली, 16 अगस्त 1979

का. नि. आ 8-ई. सशस्त्र सेना (आपात इयूटियां) अधिनियम, 1947 (1947 का 15 वां) की धारा 2 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतत्द्द्वारा महाराष्ट्र राज्य में मैसर्स माभगांव डाक लिमिटेड, बम्बई के यार्ड में फ्रीगेटो के निर्माण, सूरक्षा, बचाव, अग्निशमन, जलपूर्ति और सफाई व्यवस्था से सम्बन्धित प्रत्येक सेवा को समाज के लिए अत्यधिक महत्व की सेवा घोषित करती है।

[फाइल संख्या 18(1)79/रक्षा (नेवी-2)]

शं. ना. बाज्ये, संयुक्त सचिव

## MINISTRY OF DEFENCE

#### NOTIFICATION

New Delhi, the 16th August, 1979

S.R.D. S(E):—In exercise of the powers conferred by sub-section (i) of section 2 of the Armed Forces (Emergency Duties) Act, 1947 [15 of (1947)], the Central Government hereby declares every service connected with the Yard engaged in the manufacture of frigates, security, safety, firefighting, manning of power houses and sub-stations, manning of pumps for kasara basin/Drydocks. fresh water supply and conservancy of M/s. Mazagon Dock Limited, Bombay in the State of Maharashtra to be a service of vital importance to the community.

[F. No. 18(1)/79/D(N II)]

S. N. BAJPE, Jt. Secy.